बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना
सफलता की कहानी
दुग्ध सहकारी समिति गणेशपुरा, जिला टीकमगढ़

बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना अंतर्गत टीकमगढ़ जिले में दिनांक 17.11.10 को ग्राम गणेशपुरा में दुग्ध सहकारी समिति का गठन किया गया। वर्तमान में इस समिति में कुल 114 सदस्या हैं, जिसमें से 23 महिलाएं हैं। दुग्ध समिति के गठन से दूध उत्पादकों को दूध का उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है। इसके फलस्वरूप प्रारंभिक दुग्ध संकलन मात्र 100 लीटर प्रतिदिन से बढ़ कर, अब समिति में प्रतिदिन 429 लीटर दूध संकलित हो रहा है। दुग्ध उत्पादकों को लगभग रू. 27/– प्रतिलीटर औसत मूल्य प्राप्त हो रहा है।

समिति में इलेक्ट्रानिक मिल्कोटेस्टर एवं तौल कांटा उपकरण की स्थापना की गई है ताकि समिति की गतिविधियों में पूर्ण पारदर्शिता रहे । दुग्ध संघ द्वारा समिति सदस्यों हेतु विभिन्न सुविधाए यथा हरा चारा उत्पादन, पशु रख–रखाव की व्यवस्था हेतु सदस्यों को प्रशिक्षण, पशुओं के उपचार हेतु डीवर्मिंग, टीकाकरण सुविधा, यूरिया उपचारित भूसा एवं बरसीम, जई तथा मिनीकिट, पशु आहार अनुदान तथा चॉफ कटर प्रदाय किए गए हैं। समिति द्वारा जनवरी 2013 तक कुल रू 47,01,606/– का दूध विक्रय किया जा चुका है, तथा निरंतर लाभ में चल रही है। ग्रामवासियों द्वारा स्वयं के स्त्रोतों से 10 दुधारू पशु भी क्रय किये गये हैं। डेयरी गतिविधियां प्रारंभ होने से ग्राम में ही रोजगार के तथा वर्ष भर निरंतर आय के साधन उपलब्ध हुए हैं। अतः ग्रामवासी अत्यंत उत्साहित हैं तथा पशुपालन एवं दुग्ध व्यवसाय को अपना मुख्य व्यवसाय बनाते हुए डेयरी गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ता प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

.....